



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

पृ. 92]
No. 92]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 25, 1986/वैशाख 5, 1908
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 25, 1986/VAISAKHA 5, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय
आयात व्यापार नियंत्रण

साप्ताहिक सूचना सं. 90-आई सी सी (पी एन)/85-88

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1986

विषय:— आयात उर्वरक संयंत्र परियोजना के लिए 9.5 बिलियन येन
क्रेडिट के प्रथम उपकरण और सेवाओं के आयात के लिए
लाइसेंसिंग जारी।

फाइल सं. आई पी सी/23(26)/85-88:— राष्ट्रीय कृषक उर्वरक
सहाकरिता लि. (इस्को) की ओला उर्वरक संयंत्र परियोजना का आयात
आवश्यकताओं को विस्तारित करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक
सहायोग निधि द्वारा स्वीकृत 9.5 बिलियन येन क्रेडिट के प्रथम
आयात लाइसेंस जारी करने की नियमित करने वाली शर्तें जो इस
साप्ताहिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं जानकारी के लिए अधिसूचित
की जाती हैं।

राज्यीय योजना मिश्र, मुख्य निदेशक आयात नियंत्रित

परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (आई सी एफ) द्वारा विस्तारित
राष्ट्रीय कृषक उर्वरक लि. (इस्को) के ओला उर्वरक संयंत्र परियोजना के

कार्यान्वयन के लिए 9.5 बिलियन येन (आई सी एफ) के येन क्रेडिट
के प्रथम उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंस जारी।

खण्ड-1 मास ग्य जारी

1(1) इस्को की ए सी एन ए ए उर्वरक परियोजना का आयात
आवश्यकताओं के विस्तारित पोषण के लिए जापान विदेशी आर्थिक सहयोग
निधि (आई सी एफ) द्वारा विस्तारित 9.5 बिलियन येन क्रेडिट भारत
सहित जापान और सभी विश्व शांति देशों के लिए रखा गया है। तदनुसार
इस क्रेडिट के प्रथम अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान
और प्रमुख-1 की सूची में उल्लिखित (भारत सहित) सभी देशों से आयात की
जा सकती हैं। ये देश इस खंड के अंतर्गत पात्र भोज देश होंगे।

1(2) ओला उर्वरक संयंत्र परियोजना का आयात आवश्यकताओं को पूरा
करने के लिए 175 करोड़ रुपए की श्रमराशि के लिए एक पौक आयात
लाइसेंस सं. आई/सी पी/2041440 दिनांक 24-10-85 इस्को को पहले
ही जारी कर दिया गया है। आयात लाइसेंस 23-10-1987 तक वैध है।

1(3) यदि कोई जाने समय वृद्धि/नया आयात लाइसेंस जारी करने
के लिए प्रमुख है तो वह आर्थिक कार्य विभाग (जापान प्रमुख) को
सूचना प्रेषित करेगा।

1(4) इस क्रेडिट के प्रथम विस्तारित किए जाने वाले आयात
लाइसेंस के साथ संलग्न माल और सेवाओं की ऐसी सूची तत्त सीमित
है जो लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा विधिवत साक्षात्कृत हों।

1(5) आयात लाइसेंस के मुद्दे विदेशी मुद्रा का कोई प्रेषण अनुमित नहीं किया जाएगा। भारतीय अधिकर्ता को कमीशन का कोई भी भुगतान भारत में अधिकर्ता को भारतीय रुपए में किया जाना चाहिए, तथापि, ऐसा भुगतान लाइसेंस मूल्य के भाग के रूप में होना प्रारंभिक लाइसेंस के अर्थ में आया जाएगा।

1(6) पर्यटन आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थापित विदेशी सम्बरकों को जहाज पर्यन्त निशुल्क/तागन और पाइरा पर दिए जाने चाहिए और आर्थिक कार्य विभाग (आयात अनुभाग) को भेजे जाने चाहिए। 'पत्रों के आदेशों' का अर्थ है वह क्रय आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा विविध हस्ताक्षरित विदेशी सम्बरकों को दिए जाते हैं या ऐसी क्रय संविदा जो भारतीय आयातक और विदेशी संरक्षकों द्वारा विविध हस्ताक्षरित हों। विदेशी सम्बरकों के भारतीय अधिकर्ता पर आदेश और/या ऐसे भारतीय अधिकर्ता पर पृष्ठ आदेश स्वीकार्य नहीं हैं।

1(7) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पीतलदान पर भ्रम-भ्रमण भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधाड़ पर मर्यादा पीतलदान वस्तावेजों से प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी क्रय की श्रृंखला सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की प्रवृत्ति के लिए ठेके में निम्नलिखित अनुसार व्यवस्था होनी चाहिए:—

“साक्ष्य की प्राप्ति के बाद महीने परन्तु अधिक से अधिक के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।”

पीतलदान के लिए आखिरी तिथि निर्दिष्ट करने में हम बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-12-88 के बाद की न हो।

खण्ड-2 सम्मरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखे जाने वाले नुकते

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निशुल्क लागत तथा बाइरा मूल्य येन में (येन की निम्न के बिना) प्रविष्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो भी वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपए या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में प्रविष्यक्त नहीं होना चाहिए। क्रय आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल प्रारंभ में होना चाहिए।

2(2) श्रृंखला की धनराशि में से वित्तपोषण की जानी वाली सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति निम्नलिखित परिपूरक निर्धारणों के सहित श्रृंखला के अधीन अधिप्राप्ति के मार्ग-दर्शनों के अनुसार की जाएगी।

(क) यदि किसी मामले में माल और सेवाओं का अंकलन 300 मिलियन येन से कम नहीं है तो:—

(1) यदि यह प्रस्तावित किया जाता है कि अधिप्राप्ति तरीके के अनुमोदन के लिए ओ.ई.सी.एफ. को आवेदन भेजने के लिए पूर्व पहलू के सहित औपचारिक खुली प्रतियोगिता निर्विदा से निम्न अधिप्राप्ति प्रक्रिया का विकल्प लिया जाता है तो ओ.ई.सी.एफ. से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना पड़ेगा।

(2) सफल बोलीकारी को निर्णय की सूचना देने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट के साथ निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपयुक्त आवेदन-पत्र के साथ पूर्व पहलू की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों को नोटिस और अनुदेश, बोली पत्र, प्रस्तावित संविदा, बोली से संबंधित निगमिकरण और इतर और अन्य वस्तावेज भी ओ.ई.सी.एफ. को उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 300 मिलियन येन से कम अंकलन किए जाने वाली मूल्य की माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ओ.ई.सी.एफ. का पूर्व अनुमोदन संविदा का निर्णय देने के लिए इस शर्त पर जरूरी नहीं है कि निविदा के बंद की व्यक्ति संगत बांटा गया है। लेकिन यदि ओ.ई.सी.एफ. निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि के लिए अनुरोध करता है तो उसे ओ.ई.सी.एफ. को उसकी पुनरीक्षा के लिए भेजा जाएगा।

(ग) उपर्युक्त (क) (1) क (2) और (ख) में उल्लिखित आवेदन-पत्र/वस्तावेज आयातक द्वारा अधिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में ओ.ई.सी.एफ. को भेजने के लिए भेजे जाएंगे।

(घ) किसी भी विश्व के बिना जो एक येन से कम का हो संविदा आपानी येन में हो नियत एवं देय होगी।

(ङ) बोली दस्तावेज में कौन-कौन से पात्र स्त्रोत वेन हैं उन्हें दर्शाया जाएगा।

(च) बोलियों के मूल्यांकन में किसी भी बोलीकार को बरीयता की गुंजाइश नहीं दी जाएगी।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1985-86 के लिए ओ.ई.सी.एफ. येन क्रेडिट (परि-योजना सहायता) में, आई.डी.पी.-35 के अधीन खोले गए अपरिचालनीय साक्ष्य के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका ग्योरा नीचे खण्ड-6 में दिया गया है।

2(4) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिक होंगे या पात्र स्त्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शामिल वैध व्यक्ति होंगे।

2(5) आयात स्त्रोत देशों से अनुमोदित देशों से अनुमोदित आयात

जिन वस्तुओं में आयात स्त्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उनका विश्लेषण किया जा सकता है वस्तु के निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एकक का मूल्य मद्धार आधार पर आयातित भाग 30 प्रतिशत से कम हो,।

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क
संभरक का जहाज पर निशुल्क मूल्य $\times 100$

(भारतीय संभरक के मामले में फ्रीडी कीमत अपनाई जाएगी।)

2(6) सविदा में घोषणा

प्रत्येक सविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारोख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी:—

“मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल (संबंधित पात्र स्त्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं, अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार आयात स्त्रोत देशों से आयातित भाग निम्न-लिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है:—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क
संभरक का जहाज पर निशुल्क मूल्य $\times 100$

“(जहां लागू हो फ्रीडी कीमत अपनाई जाएगी)”

“मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (पात्र स्त्रोत देश का नाम) में (कंपनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।”

खण्ड—3 संभरक ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली बातें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए—

- (क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) के बीच डफको के ए. जा. एन. एल. ए. (ओल) उर्वरक परियोजना के लिए बैंक क्रेडिट में ओ. ई. सी. पी.-35 (परियोजना सहायता) से संबंधित 25 नवम्बर, 1985 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए।
- (ख) संभरणों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) के बीच बैंक क्रेडिट में ओ. ई. सी. पी.-35 से संबंधित 25 नवम्बर, 1985 को हुए ऋण समझौते के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।
- (ग) विदेशी संभरण ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ. ई. सी. एफ. द्वारा बैंक ऋण के अधीन अर्पित हों।

(घ) 2(5) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरण जापान में स्थित है तो संभरण सविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरण भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पात परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को शामिल साल की सुपुर्दी के कार्यक्रम से प्रवृत्त करायेंगे और पातप्रदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक इच्छुक हों, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरण को प्रत्येक पातप्रदान के पश्चात् आवश्यक स्थिति के हरे हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और संभरण दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो विदेशी संभरणों द्वारा लिखित में पुष्टि आवेदन के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण कोटी प्रतियां संगत बैंड आयात लाइसेंस की दो कोटों प्रतियों सहित, और अनुबन्ध-2 में दिए गए प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र” की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेको की विषय-वस्तु के लिए अनिवार्य आणोघनों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होगी।

4(3) वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग सविदा की प्रति के सहित सविदा निष्पादन करने का नोटिस ओ. ई. सी. एफ. को उनकी पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। सविदा निष्पादन करने के नोटिस के साथ सविदा की एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो और लेखा परीक्षा नियंत्रक को भेजी जाएगी जिसके साथ “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र” और आयात लाइसेंस की कोटों प्रांत की एक प्रति भी उन्हें भेजी जाएगी।

खण्ड-5 विदेशी संभरणों को भुगतान साख पत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग से सविदा निष्पादन करने का नोटिस और सविदा के मिलने पर, ओ. ई. सी. एफ. संबंधित विदेशी संभरण के लिए संलग्न प्रपत्र-3 ने एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जो सम्बद्ध विदेशी संभरण के नाम में वास्तविक आयातों के लिए संलग्न अनुबन्ध-4 के रूप में या (सेवाओं के लिए) अनुबन्ध-5 के रूप में अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए भारतीय बैंक को टोकियो शाखा को भेजा जाना चाहिए। प्राधिकार पत्र की प्रातियों (विदेशी आर्थिक सहयोग) (ओ. ई. सी. एफ.), भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को भी पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक टोकियो अनुबन्ध-4 के अनुसार (आयातों के लिए लागू) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू शाखा है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरणों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

ओ. ई. सी. एफ. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि सविदा संशोधन या अवस्था के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलवान करने के बाद विदेशी संभरण अपने बैंकों के माध्यम के माध्यम पत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा (यदि दस्तावेज सहित पाए गए) तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि के विदेशी संभरण को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाव आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साख पत्र खोलने, उसके अधीन सीमा करने और यदि कोई विदेशी संभरणों के बैंकों के अन्य प्रभागों के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को बैंक बैंकिंग प्रसार आयातक/विदेशी संभरणों द्वारा चुकाए जाएंगे सविदा मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि की प्राप्ति होने पर ओ. ई. सी. एफ. द्वारा एक बखतबद्धता पत्र जारी किया जाएगा। यह धनराशि ओ. ई. सी. एफ. द्वारा ऋण/निधियों से स्वतः अदा की जाएगी। आयातक को ओ. ई. सी. एफ. से या लेखा परीक्षा नियंत्रक वित्त मंत्रालय में भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर बखतबद्धता खर्च के इस पत्र के तुरन्त रूपया भारत सरकार के लेख में जमा कराता पड़ेगा। ओ. ई. सी. एफ. को भुगतान की तिथि से और रूपया जमा करने की तिथि तक (दोनों दिन मिलाकर) का व्याज भी आयातक द्वारा चालू दर पर अदा किया जाएगा।

आयातक द्वारा इस प्रकार 0.10 प्रतिशत के खर्च भी प्राप्तिपूर्ति प्रक्रिया के अधीन देय हैं। विदेशी संभरण को आयातों को भारत के भुगतान की तिथि से ओ. ई. सी. एफ. द्वारा प्रतिपूर्ति को तारीख तक की गिने जाने वाली अवधि के लिए भारतीय बैंक, टोकियो को बैंक व्याज के खर्च भारत के सम्बद्ध आयातक बैंक द्वारा भारत के लेख को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंकिंग लेनल के माध्यम से भारतीय बैंक टोकियो को प्रेषण करके तय किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि—भारतीय संभरणों से माल एवं सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की धनराशि के विपरीत के लिए क्रियाविधि, ऋण समझौते के साथ उनकी की गई प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्रधिकृत बैंकर को निरपवाद रूप से परकाम्य जहाज रानी दस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात का सुनिश्चय करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिए समय-समय से चालू वर्तमान 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से गिनी गई येन भुगतान के समतुल्य राशियों के लिए व्याज प्रभार और उससे अधिक की अवधि के लिए वास्तविक रुपया निक्षेप की तारीख से विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से प्रभार भी मूल धनराशि के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटीसी (पीएन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार जमा कराने पड़ेंगे। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिए कि इन दोनों दिनों अर्थात् जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटीसी (पीएन)/83, दिनांक 10-8-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74, आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार व्याज लिया जाएगा। आयातक की संभरक को किए गए भुगतान की धनराशि और तारीख का निश्चय करने के लिए अलग से व्यवस्था करनी चाहिए। भारतीय बैंक टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोतपरिवहन आदि दस्तावेजों की देरी से प्राप्ति को रुपया निक्षेप पर देय व्याज की आंशिक और पूरी धनराशि को छूट के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रूप की गणना करने के लिए अप्रमायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनिमय की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109 आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस सम्बन्ध में और व्याज की दर से सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को अपने दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने गृहवातावरणों से दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है अथवा ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार की देय धनराशि को माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपोजिट्स एडवांस्स—843 सिविल डिपोजिट्स—डिपोजिट्स फार परचेजिंग एटस्ट्रा एन्वोड ग्रन्डर क्रेडिट्स लोन एपीमेंट" "लोन फ्रॉम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान 9.5 बिलियन येन क्रेडिट सं. आई डी पी-33 फार ए ओनला फर्टिलाइजर प्रोजेक्ट" होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 30-8-68, सं. 233-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-68,

सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक को उपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवाओं के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे में" निरपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्न-लिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए गते हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सो ए ए एण्ड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों का संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सो ए ए एण्ड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी: भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपए का निक्षेप भारतीय बैंक, टोकियो की प्रदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सो ए ए एण्ड ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, इम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-8 विविध व्यवस्थाएं

8(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक का पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साख पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायत लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय यू सी ओ बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) संभरकों को विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना:

लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालती है।

8(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त अनुबन्ध-2 में "भुगतान की शर्त" के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से सम्बद्ध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

8(4) भविष्य अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-36

के अधीन सभी भारतीयों की विदेशी प्राधिक निगम निधि, आपात (जो ई सी एफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए विदेशों, भूतदेशों या जात्रियों का लाइसेंसधारी को सुरक्षित पालन करना होगा।

6(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

8(6) अनुबंधों की सूची

1. अनुबंध-1 पास शीत देशों की सूची
2. अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबंध-4 साख पत्र का प्रपत्र (वास्तविक आयातों के लिए लागू)
5. अनुबंध-5 साख पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

अनुबंध-1

पास शीत देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) गैर-ओपेक विकासशील देश

1. अफ्रीका उत्तरी सहारा

विषय	भारतीय	युनानी
2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा		
अंगोला	बोत्सवाना	मूरेशी
ज़ाम्बिया	केप वर्डी द्वीप समूह	केन्द्रीय अफ्रीका गण- तंत्र
ज़ाम्बिया	कमोरो द्वीप समूह	कांगो गणतंत्र
मध्य गिनी (1)	इथोपिया	आम्बिया
घाना	गिनी	माइबेरी कोस्ट
कोमोरो	जेसीयो	माइबेरी
मालागासी गणतंत्र	मालागी	माली
मालिनीया, माली	मुआम्बिक	माली
पुर्तगाली गिनी	रियूनियन	रोडेसिया
रवाण्डा	सेंट हेलेना और केप (2)	सामोटा द्वीप और प्रिन्सिप
सेनेगल	सैनिकिया	सिंगरा सिमोन, सोमालिया
	सूडान	स्वाजीलैण्ड
टेरी प्रायद्वीप और इस्त्रास संजानिया	टोगो	यूगाण्डा
गणतंत्र संघ आम्बिया	मपर बोल्टा	ज़ाम्बिया गणतंत्र

3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय

ब्राह्मण	ब्राह्मण	बेलाइज
ब्रह्मण	कैस्टारिका	क्यूबा
डोमिनिकन गणतंत्र	एल सालवाडोर	गुआटेमाला

(1) पहले स्वेनो गिनी का प्रवेश, करीबिया पी द्वीप सहित

(2) मिन्सिपिस् द्वीपों सहित—

प्रसेसिलिट्टिडान का इन एक्सेसिबिलिट, ताइ टिगो गण

(3) मुख्य द्वीप समूह, ब्रह्मण, बोनाइर, क्यूबाकोसो, साह्रा, सेट

ब्राह्मण	हेली	हीनू रास
जर्मका	मार्टिनिक	मैक्सिको
नॉर्वेजिक प्रिन्सिप	निकारगुवा	पानामा
सेंटपियरे और मिकेलान, ट्रिनीदाद और टोबैगो, सेट बंडीज (शारा) - एन आई ई		

(क) सह-संयुक्त राज्य (1)

(ख) प्राधिक (2)

4. दक्षिणी अमेरिका

ब्राजील	बोलिविया	प्रायोज
चिली	कोलम्बिया	कार्क जैण्ट द्वीप समूह
फासिली गुयाना	गुयाना	पराग्वे
पेरू	सूरिनाम	उरुग्वे

5. मध्य-पूर्वी एशिया

अज़रबैजान	इजराइल	जोर्डन
लेबनान	ओमान	सिरियाई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब एमिरात (3)	यमन अरब गणतंत्र	यमन जनवादी का डी. ए. (4)

6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान	बांगला देश	भूटान
बर्मा	भारत	मालदीव
नेपाल	पाकिस्तान	श्रीलंका

7. सुदूर पूर्वी एशिया

ब्रूनो	हांगकांग	ब्रूनो गणतंत्र
कंबोडिया गणतंत्र	मालोस	मकाओ
मलेशिया	किलिपाइन	मिगापुर
ताइवान	थाइलैण्ड	तिमोर
वियतनाम गणतंत्र	वियतनाम जनवादी गणतंत्र	

8. ओसिनिया

कोक द्वीप समूह	फिजी	निरुवट और इलाहल द्वीप
क्रोसियी पोलिनेशिया (5)	नाक	न्यूकेलेओनिया
न्यू हेब्रिडिस (वि. और न्यू गिनी)	नियु	पोलिनेसिया द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पापुवा न्यू गिनी	सोलोमन द्वीप समूह (का) टोंगा	
वालिस और फुतुना	पकिनी सामोयो	

9. यूरोप

साइप्रस	जिब्राल्टर	ग्रोक
माल्टा	स्पेन	तुर्की
यूरोस्लाविया		

- (1) मुख्य द्वीप एन्टिगुआ, बोमिनिका, ब्रिनेडा, सेन्ट क्रिस्ट (सेन्ट क्रिस्टोफो)
नेविस ग्रुपुला, सेन्ट लूसिया और सेन्ट क्रिस्ट
- (2) मुख्य द्वीप समूह, मोन्सेररत, सेमान, तुर्की और काइकोस और ब्रिटिश
अरबिन द्वीप समूह।
- (3) अल्बान, कुवैट, कुवाहरत, रास बल लेबीह, सारजाह और उम अल
कवबेल।
- (4) अरब और विभिन्न अस्तित्व और अमीरात सहित।
- (5) सोमायटी द्वीप समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते हुए आस्ट्रल
द्वीप समूह, हवाई-आन्डियन द्वीप और कांकिमस द्वीप समूह।
- (6) पोलिनेसिया द्वीप समूह का प्रवेश, भारतीय द्वीप समूह, पार्मेल द्वीप
समूह और मेरि द्वीप समूह (गाम की डीइकर)।

(क) 2-बी.पी.ई.सी. के सदस्य या सहयोगी देश

प्रत्यक्षिया	बोलिविया	लीबियाई अरब गणतंत्र
रोबोन	नाइजीरिया	इक्वेडोर
बेन्गुएला	ईरान	ईराक
कुवैत	कतार	सऊदी अरब
घाबू घाबी	इकनाशिया	

अनुबन्ध-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र

संख्या दिनांक

सेवा में,

सहायता लेखन तथा सेवा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू. सी. सी. बैंक लिमिटेड, प्रथम मंजिल,
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय : येन क्रेडिट सं. आई बी पी (परियोजना सहायता
सहायता) के अंतर्गत जापान से का
आवास ।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई बी पी (परियोजना सहायता) के
अधीन से को आयात के
संबंध में (बैंक का नाम) जो कि वही
होता चाहिए, जो नीचे (ब) में संलग्न समुद्रपार संभरक के नाम में
साख-पत्र खोलने के लिए दिया गया है, को प्राधिकार पत्र जारी करने के
लिए हम आपको निम्नलिखित स्वीर प्रस्तुत करते हैं :

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता

(ख) असेसमेंट : लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य वह तारीख
जिस तक बैंक है।

(ग) प्राप्त के तरीके क्या वह सीधे क्रय या
प्रतिभाषित रूप से अन्तराष्ट्रीय निविदा पर आधारित है ? इसके
मामले में यदि कोई कारण हो तो उसके सहित यह संकेतित
होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीकी
प्रस्ताव के आधार पर किया गया है ?

(घ) माल का संविदा विवरण

(ङ) माल का उद्गम देश

(च) यदि कोई हो तो पात्र से निम्न स्रोत देशों से आयातित सख-
टकों का प्रतिक्षण :—

(छ) संविदा का कुल अंश पर निःशुल्क मूल्य (येन में)

(ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेन्ट के कमीशन की धनराशि (येन में)

(झ) वास्तविक अंश पर निःशुल्क लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में)
जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।

(ञ) समुद्र पार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या
एवं दिनांक।

(ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।

(ठ) वे भुगतान करें और संभावित तिथियां जिनको संविदा के
अंतर्गत भुगतान देय होंगे।

(ड) सुपुंजी की पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।

(इ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए
जाने वाले वन्ताबेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका निपटान
दिखाते हुए) ;

(ण) पीतनदात अनुबंध वास्तविकरण/पाठ-निपटने की अनुमति दी
गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए

(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(थ) क्या उसी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी
गई हैं और आपानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दी गई
है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और
मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अंतर्गत
बी. ई. सी. एफ. को इसे अधिसूचित किया गया है।

(द) क्या साख-पत्र के गंजाने और रख-रखाव के लिए बैंक आफ
इंडिया, टोकियो को वेन बैंक खर्च आयातकों/या संभरकों द्वारा
वहन किए जाने हैं।

(ब) आयातक द्वारा वचनबद्धता :—

"हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और
यह मे विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समुल्लेख
सबूत को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक
निर्देश माल (आयातित सामग्री) की सुपुंजी नोंपने में पूर्व
तत्काल ही धनराशियां जमा कराई जाएंगी। विदेशी राष्ट्रीयता
वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, दिए गए
ज्यों ही विदेशी संभरकों के बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित
कर दिए जाए और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए,
व्यों ही धनराशियां जमा करा दी जाएं।"

अनुबन्ध 3

सं. एफ.

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली,

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय : येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई
बी पी के अधीन आयात साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकार
पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-3-1980 को किए गए समझौते की शर्तों
के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न स्वीर के अनुसार सब ई
..... के नाम में
येन धनराशि के लिए अवरिक्तनीय साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकृत
किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख-पत्र की प्रति आयातक
के बैंक, बी. ई. सी. एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की
जाए।

3. साख-पत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों की भुगतान अग्री की निधि से किया जाएगा। भुगतान के साथ ओ ई सी एफ की आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करने के बाद आपकी (आयातक के बैंक का नाम और पता) को मूल पोतपरिवहन दस्तावेज (मोल तौल वाले) और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूर्ण सेट और नकद भुगतान यदि कोई हो तो उसके सहित संभरक को किए गए भुगतानों के लिए डेविट एडवाइस की एक प्रति भेजनी चाहिए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से और ओ ई सी एफ द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको देय व्याज प्रभार का निपटान आपको द्वारा भारत सरकार के लेख को प्रभावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से भारत में आयातक के संबद्ध बैंक के साथ किया जाएगा। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने, रखरखाव करने और साखपत्रों को जारी रखने के लिए खर्च भी शामिल हैं क्योंकि वे भी परक्राम्य दस्तावेजों के संचालन से संबंधित हैं और यदि कोई हो तो, विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ ई सी एफ में नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपकी कर दी जाती है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकारपत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है इस मंत्रालय के विशिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण के मद्दे खोले गए धागे के नए साखपत्र या साखपत्रों में बाद में संशोधनों का अनुपालन नहीं किया जाएगा।

8. यह प्राधिकारपत्र तक वैध रहेगा।

9. कृपया ठेके से संबंधित सभी पत्राचारों में और भुगतान प्रदर्शन करने वाली एडवाइस में भी प्रस्तुत अनुदेश पत्र के जीव पर दी गई संख्या का हवाला दें।

भवदीय

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित की प्रेषित :-

1. आयातक को उनके पत्र सं दिनांक के के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनियम्य दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरफ से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबन्ध करें। अपवाद परिस्थितियों के रूप में यदि माल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही संबद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप शीघ्रता और उचित रूप से न करने पर लाइसेंस शर्तों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंक की यह आगत लाइसेंस दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राधिकारपत्र येन क्रेडिट के अधीन आयातों को नियंत्रित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के अंतर्गत जारी किया जाता है। कृपया लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचना/आदेश का अवलोकन किया जाए और आयात/विदेशी भुगतानों में संबंधित उचित कार्रवाई की जाए।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपए जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन) 76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने का तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की स्थिति दर पर की जाएगी प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इसके अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख बैंक आफ इंडिया की प्रतिपूर्ति की तारीख और जब समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है। उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना अपेक्षित है। व्याज दोनों दिनों के लिए देय है, अर्थात् वह कुर्रक जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाएगा उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुल्क भिक्तियों के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

(3) ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारों में बलान के दक्षिण और कोड सं. 5130000009 दर्शाने हुए जमा करना चाहिए। इस संबंध में उक्ता ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-68, 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 31-5-74 एवं सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक, 12-10-76 में दिए गए प्रावधानों का ओर धियाया जाना है। वह लेखा शर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है "के डिपॉजिट एण्ड एडवाइज-843—सिविल डिपॉजिट्स—डिपॉजिट फार परचेजिंग एटसेट्स अलाइड एंडर परचेजिंग अंडर क्रेडिट/लोन एप्रोमेंट्स लोन फोम दि गवर्नमेंट आफ जापान 8.195 विलियम येन क्रेडिट (परिग्योजना सहायता) सं. आई डी पी-35 फार 1985-86 है।

(4) जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, नाम हजारों में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा कराना है उनमें बलान के मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा में प्राप्त भुगतान टिपण का पूर्ण विवरण देते हुए अयोग्य फर्म सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजे जाएंगे :-

सहायता लेखा तथा लेखा परिक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य निदेश),

पहले मंजूर युन. ओ बैंक क्रिडिट,

समंद मार्ग नई दिल्ली-110001

(5) जिन मामलों में मुख्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना सं. दिनांक 24-10-68 में अधाश्लिखित दर्शना दुब्बा द्वारा प्रेषित

करना है। उनका सुझाव पर्याप्त रूप पर लेना ज़रूरी नहीं।
जैसे मामलों में, जमा किए गए तुल्य रूप का पूरा धीरा इस विभाग
को भेजना चाहिए।

(6) संभरक को भुगतान को निधि से और जो ईसा एक द्वारा
उसकी प्रतिपत्ति को सारांश तक के बीच के समय के लिए बैंक आफ
इंडिया को वेद ब्याज प्रसार सीधे ही आपके द्वारा भारत सरकार के
लेख को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंकिंग सूचों के माध्यम से भारत
में आयातक के बैंक के साथ निपटारा जायेंगे।

निदेशक, न्याय विभाग-2,

समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि,

टेकनोलॉजी म्यूजियम, 4-1, ओहाटमैन 1-कोरें.

चिपेडा-कू, टोकियो 100 जापान।

सारतीय हुतावास, टोकियो।

अवर सचिव, जापान अनुभाग, विश्व मंडलाय,

आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(7) संभरक को किए गए प्रत्येक भुगतान के लिए मूल वस्तावेज
(चाहे बाणिज्यिक कंपक, बैंक गारंटी, पोत परिवहन वस्तावेजों के लेप-
नेत स्क्रीन सीट आदि हों) आयातक को तब तक नहीं देने चाहिए जब
तक कि उपर्युक्त (2) और (3) के अनुसार कार्रवाई न कर हो।

(8) निदेशक मूद्रा के प्राधिकृत आधारों के रूप में बैंकों के कर्तव्य
और उत्तरदायित्व भारतीय रिज़र्व बैंक के विभिन्न ए.ओ. परिपत्रों
में निर्धारित किए गए हैं। इन संबंध में ए.ओ. परिपत्र सं. 2, दिनांक
18-6-77 को और विभिन्न ध्यान दिलाया जाना है।

(9) हफ्ता शिथिल के पत्राचार में इस पत्र को पोचते और
संदर्भ निदिष्ट करें।

अनुबंध-4

(ओ ई सी एक एन में-1) प्रपत्र।

अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र

(मान के लिए लागू)

सेवा में

दिनांक

प्रिय महोदय

यह साक्ष्यपत्र (कृपा) और निदेश,

आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए

कृण करार को

(संभरक का नाम और पता)

दिनांक के अनुसार

में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम से निष्काशन के लिए बाजक
के पूरे मूल्य के लिए योग्य हस्ताक्षर द्वारा उपलब्ध रहम या रकमों को
लिए हमने अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र सं. को

दिया है जो से

(..... से कह सकते हैं। की कुल
धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित वस्तावेज के साथ भेजा
जाना है:—

हस्ताक्षरित बाणिज्यिक बाजक

मर्लेन आन बोर्ड, समुद्री पोत मदान बिल जिनमें किए गए आदेशों
का पूरा सीट ही बैंक पुठोडित एवं किम्हिल 'फेड एवं नोटिफाई'
अप्य वस्तावेज जिनमें: से

तक लदान का सत्यापन दिया गया है। संविदा सं. (यदि
कोई हो) के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण आर्थिक पोतलदान स्वतंत्र है।
बाह्यमान्यता स्वीकृत है।

पोतलदान बिल जो से वाद की निधि का नहीं
होना चाहिए। आदेशों की 12 एक जवम प्रस्तुत
किए जाने चाहिए।

इस फेडिट के अंतर्गत मसा हफ्ट और वस्तावेज पर यह ध्यान
हाना चाहिए अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र सं. दिनांक
..... 19 के अंतर्गत निष्काशाया गया और आयात
संदर्भ सं. (स्क्राए) यदि कोई हो, यह फेडिट हस्ताक्षरणीय नहीं
है।

हम एतद्वारा ध्यान देते हैं कि इस फेडिट के अंतर्गत और इसकी
शर्तों का अनुपालन करके निकलवाए गए सभी हफ्ट प्रस्तुत करने
पर और आदेशिका को वस्तावेजों का सुपुर्वाह पर विधिवत् स्वीकार
किए जायेंगे।

जब तक अवस्था उप से विस्तारपूर्वक न बताया जाए कि फेडिट
"निकोपार्म फेडिट एण्ड प्रेडिटम फार डाक्यूमेंट्री फेडिट्स (1974 रिजिशन)
इंटरनेशनल सेक्टर आफ कामरी, एम्बिकेशन सं. 290" के अधीन है।

सौदा करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश:

उपर्युक्त कृण करार के अंतर्गत जारी किए गए वचन पत्र की आवश्यकताओं
के अनुसार निदेशों आर्थिक सहयोग निधि द्वारा हमारे भुगतान के लिए
प्रतिपत्ति प्राप्त करने के साथ हम ध्यान देते हैं कि हम सौदा करने वाले
बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार हस्ताक्षरों को समराशि को
नोटा देने।

2. सौदा करने वाले बैंक को यह बताने हुए हम हफ्ट और वस्तावेजों
का एक पूर्ण सीट और इसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजें कि मंच
वस्तावेज मंचे ह: हवाई याता द्वारा को भेज दिए
गए हैं।

3. इस फेडिट के अंतर्गत मसा बैंक के सभी आयातक/संभरक के
मेजों के लिए हैं।

अपवाद,

(.....)

बाणिज्यिक बैंक

हस्ताक्षर

प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी साखपत्र सं का अभिन्न अंग है।

1 प्रारम्भिक भुगतान

घनराशि येन जो कि कुल संविदा मूल्य के प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

घनराशि येन जो कि कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत करने का अंतिम तिथि

3. पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

घनराशि येन संविदा के कुल मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी:—पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में इस संलग्न दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।

अनुक्षेप-V

(ओ ई सी एफ एल सी प्रपत्र-2)

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(संवाओं के लिए लागू)

सेवा में

विभागीय

..... यह साखपत्र ऋणों और विदेश आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं दिनांक

के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपकी सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण धन मूल्य के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एंड साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साख पत्र सं खोल दिया है जो येन (येन पहले) का कुल घनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा और परियोजना) से संबंधित दस्तावेजों की नक़्का करना है, संवा तय करने के लिए ड्राफ्ट से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

122 GI/85—2

समा ड्राफ्ट और दस्तावेज अपरिवर्तनीय साखपत्र सं दिनांक के अंतर्गत भुना लिए गए हैं, से विहित होने चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा बतान देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों का अनुपालना में भुनाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेक्षितों को सुपुर्वगो पर विधिवत स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अन्यथा से विस्तार पूर्वक न बताया जाए, यह क्रेडिट, "यूनिफार्म क्रेडिट एंड प्रोसेस फार इंकूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 डिप्रीजन) इन्टरनेशनल बैंक ऑफ कामर्स नं. 290" के अधीन है।

सोदा करने वाले बैंक को विशेष आदेश:—

इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणों और इसके मनीनेल अधिकारों द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण को प्राप्त के परवाह इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निवीरित भुगतान अनुसूची के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए बचतबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेश आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राफ्टों का घनराशि का नोटान नवीन ने कि द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार रचित करने का बतान देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों का एक प्रति और मसौदे हमें उत्तरी प्राप्ति के तुरन्त बाद हा भेजे जायेंगे।

4. इस साख के अंतर्गत बैंक को सभी खर्च नमरकों के लेखों के लिए है।

भवदीय,

(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची:

यह भुगतान अनुसूची हमारे साखपत्र सं का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

घनराशि येन कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज लाभकारी विवरण का अंतिम भुगतान तिथि

2. भुगतान वृद्धि

सम्पूर्ण योग का घनराशि येन कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत निम्न प्रकार से भुगतान किया जाता है:—

देय घनराशि	अंतिम भुगतान तिथि
येन
पहला किस्त देय
.....
.....

अपेक्षित दस्तावेज (ऋणों अपवा उसके मनीनेल प्राधिकारों) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण का एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक
 सेवा में, संदर्भ

 (संस्करण का नाम और पता)
 संदर्भ:—ऋण करार सं. के अंतर्गत
 परियोजना से संबंधित के नाम
 में येन के लिए
 द्वारा जारी किए गए साख पत्र की सं.
 दिनांक
 मैं अबोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (ऋणा एतद् द्वारा
 और के वाचस्पत्योता से
 दिनांक में विहित भुगतान की शर्तों के
 अनुसार अनुसंधार अधिक लागूता निधि द्वारा
 को धनराशि येन केवल
 प्राप्त करने के लिए एक निष्पादन विवरण जारी करता हूँ।
 (.....)
 (ऋणा)
 द्वारा
 (प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश:—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 90-ITC(PN)/85—88

New Delhi, the 25th April, 1986

Subject: Licensing Conditions for import of equipment and Services under the Yen Credit of Yen 9.5 billion for Aonla Fertilizer Plant Project.

F. No. IPC/23(26)/85—88.—The terms and conditions governing the issuance of import licences under the 9.5 Billion Yen Credit extended by the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the AONLA Fertilizer Plant Project of the Indian Farmers Fertilizer Cooperative Ltd. (IFFCO) as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

R. L. MISHRA, Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX

Licensing conditions in respect of import of Equipment and Services under the Yen Credit of Yen 9.5 Billion (ID-P. 35) for the Implementation of the Aonla Fertilizer Plant Project of the Indian Farmers Fertilizer Cooperative Ltd. (IFFCO) extended by the overseas economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

Section I—General Conditions:

I (i) The Yen Credit of Yen 9.5 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF)

for financing the import requirements of the Aonla Fertiliser Project of IFFCO is untied in favour of Japan and all the developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I. (ii) IFFCO has already been issued a bulk import licence No. I/CG/2041440 dated 24-10-85 for an amount of Rs. 175 crores to meet its import requirements for the Aonla Fertiliser Plant Project. The import licence is valid till 23-10-1987.

I. (iii) Request for further extension/issue of fresh import licence, if any, should be referred to the Deptt. of Economic Affairs (Japan Section).

I. (iv) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I. (v) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agents commission should be made in Indian rupees to the agent in India, such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I. (vi) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section). "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the overseas Supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or orders confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I. (vii) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows:—

".....Months after the receipt of Letter of credit but to be completed latest by the end....."

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-90.

Section-II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations:—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million Yen:—

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Formal Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to

OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of prequalification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specifications and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tender lots are divided reasonable. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.
- (c) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii) and (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.
- (d) Contract shall be fixed and payable in Japanese Yen without any fraction less than one Yen.
- (e) The bidding documents shall state which are the Eligible Source Countries.
- (f) In the evaluation of bids, any bidder shall not be granted a margin of preference.

II. (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P-35 for 1985-86 the details of which are given in Section VI below.

II. (iv) Eligibility of Supplier.

The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (v). Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty percent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae:—

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted).

II (vi) Declaration in Contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier signed and dated by the supplier shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country)."

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula:—

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory price)

"I, the undersigned and hereby certify that _____ (name of company) has been incorporated and registered in _____ (name of eligible

source country), and is controlled by nationals of the eligible source countries".

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 25th November, 1985 concerning the Yen Credit No. ID-P-35 (Project Aid) for Aonla Fertiliser Project of IFFCO.
- (b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable Letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P-35 dated 25th November, 1985 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The Overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates triplicate in the forms indicated in II(vi).
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and for that purpose he would keep the Embassy of India Tokyo informed of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importer require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Review of contract by OECF

IV (i) Within the stipulated period for placement of firms orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Deptt. of E.A.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV. (iii) The Ministry of Finance, Deptt. of E.A., will send Notice of Conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by the Deptt. of E.A. to the Embassy of India, Tokyo and Office of the CAA&A alongwith one copy each of the "Request for issue of L.A." and photocopy of the import Licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers-Letter of Credit Procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V(ii) On receipt of the letter of authority, the Bank or India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V(iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V(iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India, by remittance to the Bank of India Tokyo through normal Banking channels without affecting the Government of India's account.

V(v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Supplies shall be in accordance with Reimbursement Procedure attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit.

VI(i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/74 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted or computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)/74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits an Advances-843 civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan, Agreements". Loans from the Government of Japan-9.5 Billion credit No. 1D-P-35 for the Aonla Fertiliser Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 3130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariable be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

NOTE.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII.—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-35 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

Annexure—I List of eligible source countries

Annexure—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III Form of Letter of Authority.

Annexure—IV Form of letter of credit (Applicable to imports)

Annexure—V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's' Republic of
Dahomey

Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep. (2)
Sao Tomo and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Togo, Afars and Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North and Coast.

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
EL Salvador
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

West Indies (Br.) n.l.e.

(a) Associated States (3)

(b) Dependencies (4)

IV. AMERICA, South :

Argentina
Bolivia
Brazil

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando Po.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

(4) Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.

Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East :

Bahrain
Israel
Jordan
Lebanon
Qatar
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (1)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D. R. (2)

VI. ASIA, South :

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East :

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Philippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA :

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (3)
Nauru
New Caledonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (4)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

(1) Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

(2) Including Aden and various sultanates and emirates.

(3) Comprising the Society Islands (including Tahiti), The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

(4) Trust Territory of the Pacific Islands - Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.).

IX. EUROPE :

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

(a2) Member of Association Countries of OPEC :

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

ANNEXURE II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

NO. DATE

To

The Controller of Aid Accounts and Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
U.C.O. Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
NEW DELHI-110001

Sub : Import of from Japan Under the
Yen Credit No. ID-P- (Project Aid for 1985-86)

Sir,

In connection with the import of ———— from ————
under the above mentioned Yen Credit
No. ID-P- (Project Aid) we furnish the following parti-
culars to enable you to issue the Letter of Authority to
the ———— (name of the Bank)
which should be the same as given in (P) below for opening
a Letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or Formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen)

- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C/F value (In Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name, Address and Nationality of the Overseas Supplier;
- (l) Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the Importer's Bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the O.E.C.F.
- (r) Whether the banking charges of the Bank of India, Tokyo for opening, maintenance and operation of the Letter of Credit will be borne by the importer/supplier.
- (s) Undertaking by the importer :

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material importers). In case of payment for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payment made to the suppliers."

ANNEXURE-III

LETTER OF AUTHORITY FORM

NO. F.

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

NEW DELHI, THE

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Sub : Import under Yen Credit (Project Aid) Loan Agreement
No. ID-P- Issue of Letter of Authority for opening
Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-1980 entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen— as per attached details.

2. A copy each of the Letter of Credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payment to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to (Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the dates of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank of India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling, negotiating documents and charges of overseas suppliers' bankers if any are to be borne by the importer/overseas suppliers. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the Overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This letter of Authority will remain valid upto—

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

(ACCOUNTS OFFICER)

Copy forwarded to :—

1. Importer— with reference to their letter No. — dated —

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port Authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importer's Banker—. This has reference to import Licence No. — dt. —. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen Credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC-(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other public Notices as may be issued from time to time. Interest @12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on

which the rupee equivalents are deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposit is made into Government Account. (Any change in this rate will be notified if and when made). It would be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dt. 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dt. 5-10-71, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—843—Civil Deposits—Deposit for Purchase etc. Abroad under Purchase under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 8,195 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P-35 for 1985-86.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch. The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

V In case where the rupee equivalent are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

VI Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the dates of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OFCF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan, Embassy of India, Tokyo.

The under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance Department of Economic Affairs, New Delhi.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Banks' duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

ANNEXURE IV

Form OECF-LC 1

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

To _____

(Name and address of
the Supplier)

Date :

This Letter of Credit has
been issued pursuant to

Loan Agreement No. _____
dated _____

between (Borrower) and
THE OVERSEAS ECONOMIC
COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our Irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen, _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in Full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify other documents" evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____) (if any) from _____ to _____ Partial

shipments are _____ permitted.
Transshipment is _____ permitted.
Bills of lading must be dated not Later than _____ Drafts
must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents under this credit must be marked
"Drawn under _____ Irrevocable credit No. _____,
dated _____

and Import Reference No. (s) _____ (if any)"

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits 1974 Revision", International Chamber of Commerce Brouchure No. 290".

Special Instructions to the negotiating banks :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the abovementioned Loan Agreement we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiation bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/suppliers.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : _____
(Authorised Signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____.

I. Initial Payment

Amount : _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents :
Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents :
Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : _____
being _____ % of the total contract price.

Note.—This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

ANNEXURE V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

Date :

To _____

(Name and address of the Supplier)

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____ between (Borrower) and the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____ dated _____".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments, the beneficiary's statement is required instead of the above-mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND

122 GI/86—3

IN ACCORDANCE with the provisions of the Letter of commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the document as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the imports suppliers.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By _____
(Authorized Signature).

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____.

I. Initial payment

Amount Yen _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents : beneficiary's Statement.
Latest Presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen _____
being _____ % of the total contract price to be as follows :

Amount due	Latest presentation date
1st Instalment Yen _____	_____
Yen _____	_____

Required document : a copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority). a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date :

Ref No.

To _____

(Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____ dated _____
issued by _____ for Yen _____
in favour of _____
concerning _____ Project under Loan Agreement No. _____.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of Yen _____ (Yen _____ only) from the Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____, dated _____, between _____ and _____.

(Borrower)

By _____

(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.